साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा का व्याख्यान

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा को आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर साहित्य और भारत छोड़ो आंदोलन विषय पर साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित साहित्य के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने भी निभाई प्रमुख भूमिका

इस अवसर पर प्रो. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें बातों से नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया है। भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है, भारत का इतिहास सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। उस दौर में साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने एक-एक शब्द को अग्नि बनाकर सृजित किया था। उसी साहित्य ने भारतीय जनमानस में स्वाधीनता की चेतना का संचार किया। आज हमें हमारी आत्मिक चेतना को नई पीढ़ी को संचारित करने की आवश्यकता है। प्रो. शर्मा ने कहा कि यह गर्व एवं आनंद का विषय है कि साहित्य अकादमी द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव ऐसे स्थान पर मनाया जा रहा है जो स्थान स्वतंत्रता आंदोलन का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के प्रमुख साहित्यकार शामिल हुए। 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में साहित्य अकादमी द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पीढ़ियों के संघर्ष ने भारत को आजादी दिलाई: शर्मा

रायपुर | साहित्य अकादमी ने "आजादी के अमृत महोत्सव' के मौके पर "साहित्य और भारत छोड़ो आंदोलन" विषय पर साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा इसमें मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमें बातों से नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया है। भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है] भारत का इतिहास सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। उस दौर में साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने एक-एक शब्द को अग्नि बनाकर सृजित किया था। उसी साहित्य ने भारतीय जनमानस में स्वाधीनता की चेतना का संचार किया। आज हमें हमारी आत्मिक चेतना को नई पीढ़ी को संचारित करने की आवश्यकता है। साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के प्रमुख साहित्यकार शामिल हुए।

BBN 24 NEWS
बिग ब्रेकिंग न्यूज

साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा का व्याख्यान स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने भी निभाई प्रमुख भूमिका

रायपुर 10 अगस्त, 2021 कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा को "आजादी के अमृत महोत्सव" के अवसर पर "साहित्य और भारत छोड़ो आंदोलन" विषय पर साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित साहित्य के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर प्रो. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें बातों से नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया है। भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है, भारत का इतिहास सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। उस दौर में साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने एक-एक शब्द को अग्नि बनाकर सृजित किया था। उसी साहित्य ने भारतीय जनमानस में स्वाधीनता की चेतना का संचार किया। आज हमें हमारी आत्मिक चेतना को नई पीढ़ी को संचारित करने की आवश्यकता है। प्रो. शर्मा ने कहा कि यह गर्व एवं आनंद का विषय है कि साहित्य अकादमी द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव ऐसे स्थान पर मनाया जा रहा है जो स्थान स्वतंत्रता आंदोलन का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के प्रमुख साहित्यकार शामिल हुए। 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में साहित्य अकादमी द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

The New Dunia.com
पल-पल की खबर पर तिरछी नजर
समाचार पत्र और मीडिया है लोकतंत्र के प्राण, इसके बिन हो जाता है देश निष्प्राण।

Chhattishgarh Editorial State

स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने भी निभाई प्रमुख भूमिका

1 min read

15 hours ago thenewdunia

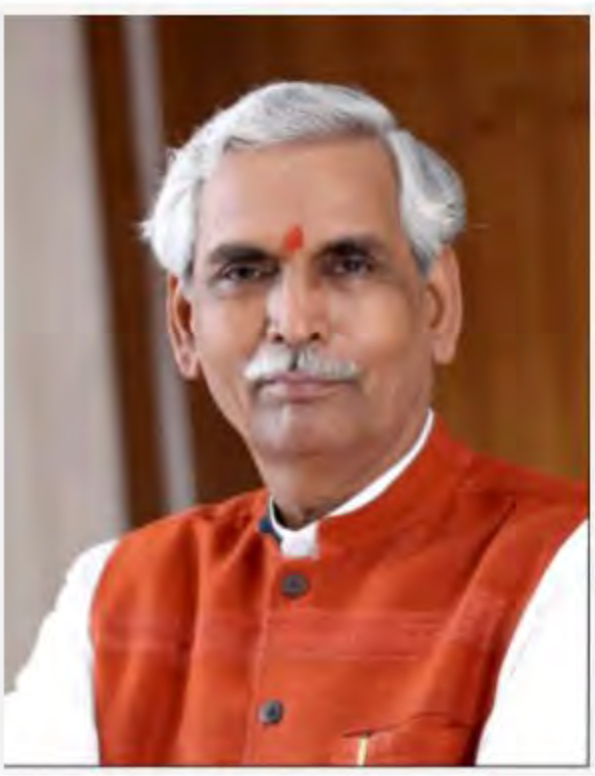

- **साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा का व्याख्यान**

दिनांक 10 अगस्त, 2021। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा को "आज़ादी के अमृत महोत्सव" के अवसर पर "साहित्य और भारत छोड़ो आंदोलन" विषय पर साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित साहित्य के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर प्रो. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें बातों से नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया है।

"

भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है, भारत का इतिहास सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। उस दौर में साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने एक-एक शब्द को अग्नि बनाकर सृजित किया था। उसी साहित्य ने भारतीय जनमानस में स्वाधीनता की चेतना का संचार किया। आज हमें हमारी आत्मिक चेतना को नई पीढ़ी को संचारित करने की आवश्यकता है। प्रो. शर्मा ने कहा कि यह गर्व एवं आनंद का विषय है कि साहित्य अकादमी द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव ऐसे स्थान पर मनाया जा रहा है जो स्थान स्वतंत्रता आंदोलन का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के प्रमुख साहित्यकार शामिल हुए। 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में साहित्य अकादमी द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

Mynews36.com
|| News That Matter ||

साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा का व्याख्यान

Last Updated Aug 10, 2021 — 0

छत्तीसगढ़ देश दुनिया बड़ी खबर

स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने भी निभाई प्रमुख भूमिका

रायपुर MyNews36 – कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा को "आज़ादी के अमृत महोत्सव" के अवसर पर "साहित्य और भारत छोड़ो आंदोलन" विषय पर साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित साहित्य के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर प्रो. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें बातों से नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया है।भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है,भारत का इतिहास सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। उस दौर में साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने एक-एक शब्द को अग्नि बनाकर सृजित किया था।उसी साहित्य ने भारतीय जनमानस में स्वाधीनता की चेतना का संचार किया।आज हमें हमारी आत्मिक चेतना को नई पीढ़ी को संचारित करने की आवश्यकता है।

प्रो. शर्मा ने कहा कि यह गर्व एवं आनंद का विषय है कि साहित्य अकादमी द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव ऐसे स्थान पर मनाया जा रहा है जो स्थान स्वतंत्रता आंदोलन का साक्षी रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के प्रमुख साहित्यकार शामिल हुए। 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।इसी कड़ी में साहित्य अकादमी द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारों ने भी निभाई प्रमुख भूमिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा को 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर 'साहित्य और भारत छोड़ो आंदोलन' विषय पर साहित्य अकादमी द्वारा मुम्बई में आयोजित साहित्य के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर प्रो. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें बातों से नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया है। भारत का इतिहास गुलामी का इतिहास नहीं है, भारत का इतिहास सतत संघर्ष का इतिहास रहा है। उस दौर में साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने एक-एक शब्द को अग्नि बनाकर सृजित किया था। उसी साहित्य ने भारतीय जनमानस में स्वाधीनता की चेतना का संचार किया। आज हमें हमारी आत्मिक चेतना को नई पीढ़ी को संचारित करने की आवश्यकता है।